पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

जल संरक्षण - स्वच्छ जल ही स्वस्थ जीवन का आधार

- दूषित जल पीने से पशुओं, मुर्गियों और मनुष्यों में दस्त एवं पेट सबंधी कई तरह की बीमारियां फैलती है।
- कई रोगाणु जैसे कॉलिफोर्मस जीवाणु (मुख्य रूप से एस्चेरीचिया कौलाई) इन बीमारियों के लिए उत्तरदायी हैं।
- शुद्ध पानी (कीटाणु रहित) का प्रयोग करके इन बीमारियों से मनुष्य स्वयं, अपने पशुओं एवं मुर्गियों को स्वस्थ रख सकते हैं।

लोगों को चाहिये कि समय-समय पर अपने पीने के पानी की गुणवत्ता जाँच (जीवाण्विक/कीटाणु) करवाऐं।

-पशु जन स्वास्थ्य एवं रोग व्यापकीय विज्ञान विभाग विभिन्न पानी स्रोत जैसे वाटर सप्लाई, हैंडपम्प, सबमरसिबल पम्प, टयूबवेल एवं फिल्टर द्वारा शुद्व किये हुये पानी के नमूनों की गुणवत्ता जाँच करता है।

-आप अपने पानी के नमूनें लेने हेतु विभाग से विसंक्रमित की हुई नमूना बोतल प्राप्त करके पानी के नमूनों को जीवाण्विक/कीटाणु जाँच हेतु जमा करवा सकते हैं।

-जीवाणु जाँच द्वारा पीने के पानी की विश्लेषण रिपोर्ट विभिन्न टेस्टों के माध्यम से की जाती है।

-इस रिपोर्ट के आधार पर पानी पीने लायक है या नहीं है इसकी जानकारी मिलती है और पानी के शुद्वि करण करने की आवश्यकता का पता चलता है।